भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3473

21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान

3473. श्री अरूण गोविल:
श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणेः
श्री आलोक शर्माः
श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोरः
श्री विद्युत बरन महतोः
श्री छत्रपाल सिंह गंगवारः
श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ः
श्री विनोद लखमशी चावड़ाः
श्री बसवराज बोम्मईः
श्री कोटा श्रीनिवास पूजारीः
डॉ. मन्ना लाल रावतः
श्री प्रदीप कुमार सिंहः
श्री गणेश सिंहः
श्री दामोदर अग्रवालः
श्री योगेन्द्र चांदोलियाः
श्री दिनेशभाई मकवाणाः
श्रीमती कमलेश जांगड़ेः
श्री दिलीप शइकीयाः
श्रीमती भारती पारधीः
श्री भर्तृहरि महताबः
श्री बलभद्र माझीः
डॉ. हेमंत विष्णु सवराः
श्री नव चरण माझीः
श्री तापिर गावः
श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावतः
श्री खगेन मुर्मुः
डॉ. राजेश मिश्रा:
श्रीमती अपराजिता सारंगीः
श्री जनार्दन मिश्राः
श्री सुरेश कुमार कश्यपः
श्री कंवर सिंह तंवरः
श्री गजेन्द्र सिंह पटेलः

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा पद्धति को एकीकृत करने की सरकार की योजना के प्राथमिक लक्ष्य क्या हैं;

(ख) क्या सरकार का विचार उक्त पहल के निष्कर्षों का उपयोग करके पारंपरिक आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों के बीच अंतर को पाटने के लिए कोई योजना तैयार करने का है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार का विचार देश में राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार, विशेषकर उत्तर प्रदेश में देश का प्रकृति परीक्षण अभियान को आयुष्मान भारत या अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों जैसी मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवाओं के साथ एकीकृत करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार के पास विभिन्न राज्यों विशेषकर उत्तर प्रदेश में उक्त अभियान के दूसरे चरण के लिए कोई रोडमैप है;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके प्रमुख पहलू क्या हैं; और

(छ) उक्त अभियान के लिए अब तक राज्य-वार विशेषकर उत्तर प्रदेश में आवंटित, जारी और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): भारत सरकार की आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा को एकीकृत करने की योजना का प्राथमिक लक्ष्य एक समग्र स्वास्थ्य देखभाल दृष्टिकोण के लिए दोनों पद्धतियों की शक्तियों का लाभ उठाना, रोगों की रोकथाम, उपचार पर जोर देना और गैर-संचारी रोगों को दूर करने पर ध्यान देना है, तथा साथ ही आयुष स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना तथा जागरूकता को बढ़ावा देना है।

(ख) और (ग): आयुष मंत्रालय द्वारा 9वें आयुर्वेद दिवस (29 अक्टूबर, 2024) को उक्त पहल "देश का प्रकृति परीक्षण अभियान" शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य आयुर्वेद में वर्णित 'प्रकृति' की अवधारणा के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करना और उनके स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए उनकी प्रकृति का आकलन करना था। यह आकलन छात्रों, शिक्षकों, आयुर्वेद चिकित्सकों और आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों सहित समर्पित स्वयंसेवकों की सहायता से एक समर्पित मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से किया गया था। मोबाइल ऐप, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की एक इकाई इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) द्वारा आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार प्रदान किए गए तर्क पर आधारित था। इस अभियान के तहत, 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के कुल 1,39,62,239 भारतीय नागरिकों की प्रकृति का आकलन किया गया है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना करने की कार्यनीति अपनाई है ताकि रोगियों को एक ही जगह विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों का विकल्प उपलब्ध हो सके। आयुष चिकित्सकों/पैरामेडिक्स की नियुक्ति तथा उनके प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सहायता दी जाती है, जबकि आयुष बुनियादी ढांचे, उपकरण/फर्नीचर और औषधियों के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के तहत साझा जिम्मेदारियों के रूप में सहायता प्रदान की जाती है।

केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ आयुर्वेद के एकीकरण के लाभों और संभाव्यता की जांच करने के लिए विभिन्न अनुसंधान अध्ययन किए हैं।

इसके अलावा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और आयुष मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने आईसीएमआर की बाह्य

अनुसंधान योजना के अंतर्गत, एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, चिह्नित क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए एम्स में आयुष-आईसीएमआर उन्नत एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान केन्द्र (एआई-एसीआईएचआर) स्थापित करने की पहल की है।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) - नई दिल्ली में निम्नलिखित इकाइयों में एक ही स्थान पर एकीकृत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हैं:

i. एकीकृत आयुष चिकित्सा केंद्र (यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी)
ii. एकीकृत कैंसर देखभाल इकाई
iii. एकीकृत दंत चिकित्सा केंद्र
iv. सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव क्रिटिकल केयर एंड इमरजेंसी मेडिसिन
v. एकीकृत अस्थि रोग केंद्र
vi. एकीकृत आहार विज्ञान और पोषण केंद्र
vii. आपातकालीन ओपीडी सेक्शन

इसके अतिरिक्त, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) - नई दिल्ली द्वारा निम्निलिखित में अनुषंगी नैदानिक सेवा इकाइयां उपलब्ध कराई गई हैं:-

i. सफदरजंग अस्पताल - नई दिल्ली में एकीकृत चिकित्सा सेवा इकाई।
ii. सेंटर ऑफ इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी (सीआईओ) यूनिट एम्स - झज्जर।
iii. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी, उत्तराखंड में आयुर्वेद आरोग्य केंद्र।
iv. आरोग्य वन, एकता नगर, एकता नगर वन प्रभाग में आयुर्वेद आरोग्य केंद्र, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी क्षेत्र विकास एवं पर्यटन प्रशासन प्राधिकरण (एसओयूएडीटीजीए), गुजरात।

(घ) से (छ): इस समय देश में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विशेषकर उत्तर प्रदेश में देश का प्रकृति परीक्षण अभियान को आयुष्मान भारत जैसी मुख्य धारा की स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं अथवा अन्य जन-स्वास्थ्य कार्यक्रमों के साथ जोड़ने का कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, आयुष मंत्रालय राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केन्द्रीय प्रायोजित योजना के एक घटक के रूप में आयुष स्वास्थ्य एवं आरोग्य केन्द्रों (एएचडब्ल्यूसी) (अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के रूप में पुन:नामित) के संचालन को राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से कार्यान्वित कर रहा है जिसका उद्देश्य किसी व्यक्ति के प्रकृति परीक्षण सहित आयुष सिद्धांतों एवं पद्धतियों पर आधारित एक समग्र आरोग्य मॉडल स्थापित करना है। प्रकृति परीक्षण, एनएएम के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के घटकों में से एक घटक है, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, देश भर में 12463 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) कार्य कर रहे हैं।

*****